सेवा में,

दिनांक **11-12-2015**

थाना प्रभारी,
अन्धा मुगल चौकी, थाना गुलाबी बाग
दिल्ली-**110007**

विषय : **8.12.2015** कि रात को हमारी दुकान में हुई चोरी के संदर्भ में संदिग्ध व्यक्तियों कि सुचना देने हेतु

मान्यवर,

निवेदन इस प्रकार से है कि मैं विजय कुमार **S/o** श्री उत्तम चन्द निवास स्थान **M-384 C.S.A. Colony Kishan Ganj Delhi-110007** में रहता हूँ। श्री मान मैं अपने पिताजी के साथ उनके कार्यस्थल पर कार्यरत हूँ दिनांक **7.12.2015** को शाम करीब **8** बजे मैं अपने सहयोगीयों के साथ संस्थान को ठीक से बन्द करके अपने घर चला गया था। अगली सुबह मुझे पडौसीयों द्वारा सुचना मिली कि किशन गंज स्थित दुकान का शटर खुला हुआ है और ताला कटा हुआ है। तब मै अपने परिवार के सदस्यो के साथ वहा पहुचा तो देखा कि कुछ सामान अपनी जगह से गायब था हमने तुरन्त चोरी होने कि सुचना **100** नम्बर पर कॉल करके दी उसके बाद मौके पर पुलिस व जॉच टीम ने शिनाकत करते हुये चोरी होने कि पुष्टि कि व क्राईम टीम ने भी मौके कि जॉच कि उस वक्त जो सामान गायब था उसका ब्यौरा हमने पुलिस को दिया जिसमें **1 laptop Acer Mini, 1 MFP 1005 HP, 2 -CPU** जिसमे मेरा बहुत सारा निजी व कोर्ट मे चल रहे केस से संबधित **data** था व कुछ कागजात थे जो कि बहुत जरुरी थे। जोकि मैनें गुप्त जगह पर रखी थी वो भी गायब थी उस जगह कि जानकारी मेरी पत्नि सुमन को थी जिसके साथ अब मेरा कोर्ट मे केस चल रहा है। श्रीमान सुमन मुझे लगातार धमकी दे रही थी कि मै कुछ भी करके तेरे द्वारा बनाये गये सारे सबुत गायब करवा दूंगी ओर तुझे केस मे हरा दूगीं ओर तूम्हे जेल करवा दूगीं श्रीमान कोर्ट केस से संबधित बहुत सारे दस्तावेज मेरे आफिस व कम्प्यूटर मे **save** थे। उस वक्त तो मुझे लगा कि ये सिर्फ धमकी है। परन्तु अब मुझे लगता है कि ये वारदात सुमन ने किसी के द्वारा करवाई है। ओर मुझ पर व मेरे पारिवारिक सदस्यो पर जान लेवा हमला करवा सकती है। श्रीमान सुमन लगातार मुझे धमकी दे रही है कि मैं तुझे अपने द्वारा या किसी लडकी के द्वारा झुठे आरोप में जेल भिजवा कर रहूगीं वर्ना जैसा में कर रही हूँ वैसा कर ओर मेरी पैसो कि डिमांड पूरी कर श्रीमान मैं एक साधारण इंसान हूँ ओर मेरी आय का इतना बडा कोई जरीया नही है जितनी वो डिमांड कर रही है। कुछ दिन पहले सुमन के दोनो चाचा व ताया ने मुझे रास्ते में रोक कर धमकी दी थी कि मध्यस्थता केन्द्र मे जाकर अगर तुने सुमन को साथ रखने कि बात कही तो हम तुझे गायब करवा देगें जब मैनें शोर मचाया तो वो वहा से भाग गये वो दो स्कुटी पर आये थे जिसमे से एक स्कुटी का नम्बर **DL1S .....2007** था जोकि सफेद रंग कि थी। दिनांक **8-12-2015** को शाम के वक्त श्याम सुन्दर अपने कुछ गुंडे किस्मे के साथियों के साथ में संस्थान के सामने वाली

11/12/15